प्यारे पापा

स्नेज़ना सूश

एक बेटी का सपना

***

37 वर्षीय स्नेज़ना सूश उक्रेनी कलाकार हैं. बेटी और पिता के भावुक रिश्तों पर बने उनके ये चित्र इन दिनों इंटरनेट में घूम मचाए हुए हैं. दिलचस्प बात यह है कि स्नेज़ना को अपने बचपन में पिता का प्यार नसीब नहीं हुआ. वह चाहती हैं कि उनके 9 साल के बेटे को उनके नक़्शे-कदम पर न चलना पड़े. वह कहती हैं, "मैं चाहती हूं कि मेरे बेटे को ऐसी शिक्षा मिले ताकि वह जान सकते एक अच्छा इंसान होना क्या होता है."

***

पापा सपनों में भी हमें बचाने को हमेशा तैयार रहते हैं- चाहे वे स्कूल के बदमाश लड़के हों या हमारी चारपाई के नीचे छुपा राक्षस.

पापा हमारे लिए कठिन से कठिन काम करने से भी नहीं डरते.
वह चोटी बनाना सीखने से भी पीछे नहीं हटते.

जब बेटी पापा के साथ होती है तो उसे लगता है जैसे वह दुनिया की छत पर पहुंच गई है.

कितने नर्म और आरामदेह लगते हैं वह!

एक भारी-भरकम पापा अपनी प्यारी बेटी के लिए बड़े आराम से छुटकन बन जाते हैं.

हमारी पार्टी में शामिल होने के लिए पापा हमेशा समय निकाल लेते हैं, चाहे वह कितने भी व्यस्त क्यों न हों.

उन्हें हमेशा पता रहता है कि हमें क्या अच्छा लगता है.

उन्हें बाय कहना इसीलिए इतना मुश्किल हो जाता है.

वह हमारे साथ खेलते हैं.

और हमें कल्पनालोक की सैर कराते हैं.

पापा कुछ भी कर सकते हैं. यहां तक कि पागलपन भरी अजीबोगरीब चीज़ें भी.

और सचमुच मुश्किल चीज़ों का सामना करने में वह हमारी मदद करते हैं.

मस्ती करने में तो वह सबसे आगे रहते हैं!

पापा अपनी बेटियों की हिफाज़त और उन्हें प्यार करने में अपनी ज़िन्दगी लगा देते हैं.